सेमेस्टर–I

PROVISIONAL SYLLABUS OF SEMESTER I UNDER FYUGP AS PER REVISED GUIDELINES OF NEP 2020 FOR ACADEMIC SESSION 2022-26

Semester -1

AEC-1	**2 Credits**
पत्र – हिन्दी भाषा एवं व्याकरण कौशल	

Marks : 50 (ESE: 1.5 Hrs) = 50	Pass Marks : Th (SIE)= 20

पाठ्यक्रम के इस भाग के अधिगम परिणाम निम्नवत होंगे–

1. हिन्दी व्याकरण के स्वरूप से अवगत हो सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य के संदर्भ में ईदगाह कहानी का अध्ययन कर सकेंगे।
3. भाषायी त्रुटियों को दूर कर सकेंगे।

इकाई–1 स्वर तथा व्यंजन **15 Lec. Hours**

संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण

उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, विलोम शब्द

इकाई–2 संधि, समास **15 Lec. Hours**

अपठित गद्यांश

ईदगाह (प्रेमचंद)

समसत्र परीक्षा एवं अंको का वितरणः–

समसत्रांत परीक्षा : 50 अंक

समूह अ

1. दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x10=10)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने है)

समूह – ब

1. तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न (10x3=30)
2. (दिये गये छः प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

अनुशंसित पुस्तकेंः

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
2. वृहद व्याकरण भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार
3. वृहद निबंध भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार
4. सुबोध हिन्दी व्याकरण और रचना – डॉ. श्याम नंदन शास्त्री
5. ईदगाह –प्रेमचंद
6. प्रेषणपरक व्याकरण : सिद्धान्त और स्वरूप – सुरेश कुमार

Semester -1

MDC -1 / 2/3	**3 Credits**
पत्र – गद्य और पद्य साहित्य	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- चयनित कहानियों, उपन्यास, कविताओं की कला भूमि से गुजरते हुए सौन्दर्यबोध, साहित्यबोध एवं मूल्यबोध अर्जित करना।
- संप्रेषण का अधिगम एक सतत प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों में भाषा, संवाद कौशल, और सामाजिक सांस्कृतिक ज्ञान विकासित करने में मदद करती है।

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- कहानी– प्रेमचंद–नमक का दरोगा, सुदर्शन– हार की जीत , ममता कालिया–दूसरा देवदास
- उपन्यास – उषाप्रियंवदा –रूकोगी नहीं राधिका

इकाई – 2 **15 Lec. Hours**

- कविताएँ –
- माखनलाल चतुर्वेदी– पुष्प की अभिलाषा,
- निराला –भिक्षुक
- मैथिलीशरण गुप्त–नर हो, न निराश करो मन को
- हरिवंश राय बच्चन – जो बीत गई सो बात गई

इकाई–3 – संम्प्रेषण **15 Lec. Hours**

- संप्रेषण अवधारणा और महत्व
- संप्रेषण : प्रकार माध्यम एवं तकनीक

नोटः– **(Sem-1, Sem-2, Sem-3 में MDC** का उपरोक्त पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थी करेंगे)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
   (दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक
लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)
2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)
(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

- **सम्प्रेषण : प्रतिरूप एवं सिद्धांत : श्रीकांत सिंह**
- **संप्रेषण : चिंतन और दक्षता : डॉ. मंजु मुकुल**
- **हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।**
- **हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।**
- **कहानी नई कहानी, नामवर सिंह लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।**

PROVISIONAL SYLLABUS OF SEMESTER I UNDER FYUGP AS PER REVISED GUIDELINES OF NEP 2020 FOR ACADEMIC SESSION 2022-26

Semester 1

MN 1A	**4 Credits**
पत्र – कम्प्यूटर अनुप्रयोग	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी कम्प्यूटर पर देवनागरी लिपि में टाइप करना सीख सकेंगे।
- हिन्दी में वेब पेज बनाना सीख सकेंगे।
- हिन्दी में ई–मेल पर संदेश भेजना सीख सकेंगे।
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग की जानकारी और अन्य फॉन्ट
- हिन्दी सॉफ्टवेयर का परिचय
- ऑफनलाइन पत्र पत्रिकाओं की जानकारी

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- कम्प्यूटर का सामान्य परिचय
- कम्प्यूटर में हिन्दी का आरंभ और विकास

इकाई–2 **15 Lec. Hours**

- कम्प्यूटर में हिन्दी की चुनौतियाँ और संभावनाएँ

इकाई–3 **15 Lec. Hours**

- कम्प्यूटर में हिन्दी लेखन के उपयोगी टूल्स
- इन्टरनेट का सामान्य परिचय एवं उपयोगिता

इकाई–4 **15 Lec. Hours**

- यूनिकोड, गुगल इनपुट, गुगल असिस्टेंट एवं टाइपिंग

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा
2. कम्प्यूटर और हिन्दी –हरिमोहन
3. हिन्दी भाषा और कम्प्यूटर – संतोष गोयल
4. कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा–सिद्धांत– पी.के. वर्मा
5. कम्प्यूटर और हिन्दी भाषा – डॉ. अनिरूद्ध कुमार सुधांशु
6. कम्प्यूटर सूचना प्रणाली का विकास – राम बंसल
7. कम्प्यूटर परिचालन तत्व – रामबंसल 'विज्ञाचार्य'

PROVISIONAL SYLLABUS OF SEMESTER I UNDER FYUGP AS PER REVISED GUIDELINES OF NEP 2020 FOR ACADEMIC SESSION 2022-26

Semester 1

MJ 1:	**4 Credits**
हिन्दी साहित्य : आदिकाल से पूर्व मध्यकाल (इतिहास एवं रचनाएँ)	

पाठ्यक्रम के इस भाग के अधिगम परिणाम निम्नवत होंगे–

- विद्यार्थी 11वीं शताब्दी से लेकर मध्यकाल के पूर्वार्ध तक के सामाजिक, सांस्कृतिक,राजनीतिक संदर्भो का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के प्रारंभिक और विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे।
- हिंदी साहित्य के साहित्यकारों और उनकी रचनाओं के बारे में जान सकेंगे।
- हिंदी के भावगत, और शैलीगत विकास से परिचित हो सकेंगे।

इकाई–1 **20 Lec. Houns**

- **हिन्दी साहित्येतिहास लेखन परंपरा**
- **हिन्दी साहित्येतिहास में काल विभाजन**
- **आदिकाल का नामकरण एवं परिस्थितियाँ**
- **रासो काव्य परंपरा**
- **पृथ्वीराज रासो की प्रमाणिकता, परमाल रासो**
- **सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य**
- **विद्यापति – बड़ सुख सार पाओल तुअ तीरे**
- **अमीर खुसरो – पहेलियाँ**

इकाई–2 **20 Lec. Houns**

भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि
भक्ति काव्य और उसका वर्गीकरण
निर्गुण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ
सगुण भक्ति काव्य की प्रवृत्तियाँ
प्रेमाख्यान काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई– 3 **20 Lec. Houns**

कबीरदास – गुरूदेव कौ अंग
जायसी – पद्मावत के स्तुति खंड से दो पद–

- **'सुमिरो आदि एक करतारू'**
- **'कीन्हेसि सात समुन्द अपारा'**

सूरदास – भक्ति एवं विरह के पद

1. चरण–कमल बंदौ हरिराई। } भक्ति के पद
2. अविगत गति कछु कहत न आवै
3. पथिक! संदेसों कहियो जाय } विरह पद
4. हमारे हरि हारिल की लकरी
5. निर्गुन कौन देस वासी ?

तुलसीदास – विनय पत्रिका (पद संख्या 3,18,22)

- मन पछितैहैं अवसर बीते
- केशव! कहि न जाइ का कहिये।
- तू दयालु, दीन हौं, तू दानि हौं भिखारी

मीराबाई – (पद संख्या –6,10,13)

- मन रे परसि हरि के चरन
- मेरे तो गिरधर गोपाल, पद
- बसो मेरे नैनन में नन्दलाल

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (**1x5=5**)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (**5x2=10**)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (**15x4=60**)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक
लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (**1x5=05**)
2.विवरणात्मक प्रश्न (**1x5=05**)
(दिये गये दो प्रश्नो में से एक प्रश्न के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादकः डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली।
3. मध्यकालीन काव्य चिंतन और संवेदना : डॉ. करूणा शंकर उपाध्याय।
4. कबीर की विचारधारा : डॉ. गोविंद त्रिगुणायक।
5. विद्यापति : डॉ. शिवप्रसाद सिंह।
6. जायसी : डॉ. विजयदेव नारायण साही।
7. काव्य कलश : संम्पादक – डॉ. मंजु ज्योत्सना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
8. मध्यकालीन काव्य : मुरलीधर श्रीवास्तव, विनय कुमार
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. पृथ्वीराज रासो की भाषा – डॉ. नामवर सिंह
11. मीरा का काव्य संपादक विश्वनाथ त्रिपाठी

सेमेस्टर–II

PROVISIONAL SYLLABUS OF SEMESTER I UNDER FYUGP AS PER REVISED GUIDELINES OF NEP 2020 FOR ACADEMIC SESSION 2022-26

Semester -2

AEC-2
English Paper

Semester -2

Minor from Discipline – MN -2A	**4 Credits**
पत्रः सृजनात्मक लेखन	

पाठ्यक्रम के इस भाग अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थियों में प्रकृति और परिवेश को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।
- इस पाठ के द्वारा विद्यार्थियों की प्रतिभा में निखार आएगा और उनकी कल्पनाशक्ति विकसित होगी।
- कला, साहित्य, विज्ञान एवं तकनीकी के क्षेत्र में मौलिक उपस्थापना करने में सक्षम हो सकेंगे।
- शिक्षा के क्षेत्र में नवीन आयामों का उद्घाटन कर सकेंगे।
- चित्रकला, मूर्तिकला, फोटोग्राफी, इन्स्टालेशन, नृत्य–गीत संगीत, कविता कहानी, नाटक, संस्मरण एवं रिपोर्ताज रचना में समर्थ हो सकेंगे।
- पत्रकारिता, दूरदर्शन के समाचार और धारावाहिक के साथ ही फिल्म संवाद लेखन की कला में पारंगत हो सकेंगे।

इकाई–1 **30 Lec. Hours**

- सृजनात्मकता का अर्थ व परिभाषा
- सृजनात्मक लेखन का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
- सृजनात्मक लेखन के तत्व

इकाई–2 **30 Lec. Hours**

- सृजनात्मक लेखन के विविध रूप–
  कहानी, कविता, नाटक, संस्मरण, धारावाहिक, फिल्म संवाद, कार्टून

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1 पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2 दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3 चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
2. रचनात्मक लेखन – हरीश अरोड़ा, अनिल कुमार सिंह
3. सृजनात्मक लेखन – राजेन्द्र मिश्र
4. संचार भाषा हिंदी – सूर्य प्रसाद दीक्षित

Semester -2

MJ- 2	**4 Credits**
पत्र – हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल–रचनाएँ एवं इतिहास	

पाठ्यक्रम के इस भाग अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियों को भारतवर्ष की 17 वीं से 19 वीं शताब्दी के मध्य के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य आदि का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इस काल के साहित्यकार और उनकी रचनाओं से वे परिचित हो सकेंगे।
- इस काल के साहित्य का भावात्मक और राजसत्तात्मक प्रभाव ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे सृजन के काव्य रूप का ज्ञान प्राप्त होगा।
- इससे साहित्य सृजन के आधार हिंदी भाषा और मौलिक स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई– 1 **30 Lec. Hours**

(क) हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल : नामकरण

(ख) रीतिकालीन परिस्थितियाँ, विशेषताएँ

(ग) रीतिकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, रीतिसिद्ध)

(घ) रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

(ङ) रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ

(च) रीतिसिद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई– 2 रीतिकालीन कवियों के काव्य **30 Lec. Hours**

(क) बिहारी के दोहे–काव्य कलश (1,7,11,12,14)

1. मेरी भव बाधा हरो
2. कहत, नटत, रीझत
3. या अनुरागी चित्त की
4. दृग उरझत, टूटत कुटुम
5. नहिं पराग नहिं मधुर मधु

(ख) मतिराम–(सामान्य परिचय)

(ग) भूषण–(सामान्य परिचय)

(घ) घनानंद : सवैया– 2,4 और 9,

2 मीत सुजान अनीति करो जिन
4 तब तो छबि पीवत जीवत हे
9 परकाजहि देह कों धारि
कवित्त– 1और 5 (1) छबि को सदन (5) कारी कूर कोकिला

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – रामचन्द्र शुक्ल
2. बिहारी का नवमूल्यांकन – डॉ. बच्चन सिंह
3. भूषण–राजमल बोरा
4. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन –रामकुमार वर्मा
5. देव और बिहारी – कृष्ण बिहारी मिश्र
6. रीतिकाव्य की भूमिका, डॉ. नगेंद्र
7. मध्यकालीन काव्य : डॉ. विनय कुमार, डॉ. मुरलीधर श्रीवास्तव
8. काव्य कलश : संपादक – डॉ. मंजु ज्योत्सना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी

Semester -2

MJ- 3 **4 Credits**

पत्र – हिन्दी साहित्य : भारतेन्दु युगीन काव्य से छायावादी काव्य तक – इतिहास एवं रचनाऐं

भारतेन्दुयुग (नवजागरण काल)

पाठ्यक्रम के इस भाग अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- इस पाठ के तीन खंड होंगे–भारतेंदु युगीन कविता, द्विवेदी युगीन कविता और छायावादी कविता। इस प्रकार 20वीं शताब्दी की शुरूआत के कुछ पूर्व से ही इस पाठ में विद्यार्थियों को कविता के स्वरूप का ज्ञान होगा। छायावादी कविता के काल तक आते–आते कविता की भाषा–शिल्प और संवेदना के क्रमिक विकास को विद्यार्थी जान सकेंगे।
- भारतेंदु युग से छायावाद तक के काल की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों एवं परिवेश से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- तत्कालीन राजनीति, सांस्कृतिक आंदोलनों एवं उनके साहित्यिक रूपान्तरण के बारे में जान सकेंगे।
- राष्ट्रीय नवजागरण के परिदृश्य से परिचित हो सकेंगे।
- ब्रजभाषा से क्रमशः खड़ी बोली के कविता भाषा बनने और निखरने के इतिहास से परिचित हो सकेंगे।
- छायावादी काव्य संवेदना और अभिव्यक्ति सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।
- आख्यानों की आधुनिकता से अवगत होंगे।

इकाई – 1 **20 Lec. Hours**

(क) भारतेन्दु पूर्व काव्यधारा (पीठिका)

(ख) भारतेन्दु युगीन परिवेश : सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिवेश

(ग) भारतेन्दु युगीन काव्यधारा : सामाजिक चेतना, भक्ति भावना, राष्ट्रीय चेतना, हास्य आदि।

(घ) भारतेन्दु युगीन कवि : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, प्रताप नारायण मिश्र, बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' राधाकृष्ण दास

(ङ) कवि की रचनाः

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – गंगा वर्णन

इकाई – 2 द्विवेदी युग – जागरण – सुधारकाल **20 Lec. Hours**

(क) द्विवेदी युगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : राष्ट्रीयता, मानवता, नीति और आदर्श, हास्य–व्यंग्य संबंधी काव्य

(ख) द्विवेदी युगीन कवि : मैथिलीशरण गुप्त, अयोध्यासिंह उपाध्याय, 'हरिऔध'

श्रीधर पाठक, रामनरेश त्रिपाठी आदि कवियों का सामान्य परिचय

मैथिलीशरण गुप्त–नर हो न निराश करो मन को

रामनरेश त्रिपाठी – स्वप्न

इकाई – 3 छायावादी युग **20 Lec. Hours**

(क) छायावाद युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

(ख) छायावाद युगीन राष्ट्रीय–सांस्कृतिक काव्यधारा के प्रमुख कवि – माखनलाल चतुर्वेदी, बालकृष्ण शर्मा, 'नवीन', सुभद्रा कुमारी चौहान आदि।

माखनलाल चतुर्वेदी – कैदी और कोकिला, सुभद्रा कुमारी चौहान –जलियाँवाला बाग का वसंत, बाल कृष्ण शर्मा नवीन–विप्लव गान

(ग) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा की रचनाएँ

(मैथिली शरण गुप्त – किसान, मोहनलाल महतो वियोगी – काठ का घोड़ा)

(घ) छायावादी कवि : जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', महादेवी वर्मा, सुमित्रानंदन पंत आदि का सामान्य परिचय

- जयशंकर प्रसाद – हिमाद्रि तुंग श्रृंग से,
- निराला – भिक्षुक,
- सुमित्रानंदन पंत – ताज
- महादेवी वर्मा – मधुर मधुर मेरे दीपक जल

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. छायावाद का पतन – देवराज उपाध्याय
2. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा
3. भारतेंदु हरिश्चंद्र और हिन्दी नवजागरण – डॉ. रामविलास शर्मा
4. नवजागरण की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा
5. छायावाद – नामवर सिंह
6. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद शाह
7. आधुनिक हिन्दी काव्य प्रवृत्तियाँ–डॉ. नामवर सिंह
8. हिन्दी साहित्य उद्भव और विकास आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. हिन्दी भाषा एवं साहित्य का वस्तुनिष्ठ इतिहास : सरस्वती पाण्डेय, गोविन्द पाण्डेय
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ. गणपति चन्द्र गुप्त

सेमेस्टर–III

Semester -3

AEC- 3	**2 Credits**
पत्र – व्यावहारिक हिन्दी	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगाः–

1. प्रशासनिक पत्र – लेखन के नियमों से विद्यार्थी परिचित होंगे।
2. पल्लवन एवं संक्षेपण का ज्ञान छात्रों को होगा।
3. शब्द – शुद्धि एवं वाक्य शुद्धि के सामान्य नियमों से छात्र अवगत होंगे।
4. कारक विशेषताओं को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
5. निबंध–लेखन की कला विद्यार्थी जान सकेंगे।

इकाई – 1 विविध पत्र लेखन, पल्लवन, वर्ण, वाक्य शुद्धि, शब्द शुद्धि, मुहावरे–लोकोक्तियाँ, उपसर्ग–प्रत्यत, कारक।

इकाई – 2 निबंध – पर्यावरण, नैतिकता, विज्ञान, साहित्य राष्ट्रीयता पर आधारित।

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरणः–
समसत्रांत परीक्षा : 50 अंक
समूह अ

1.दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x10=10)
2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने है)

समूह – ब

1.तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न (10x3=30)
2.(दिये गये छः प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

अनुशंसित पुस्तकेंः

1. **आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद**
2. **वृहत व्याकरण भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार।**
3. **वृहत निबंध भास्कर – डॉ. वचनदेव कुमार।**
4. **सुबोध हिंदी व्याकरण और रचना – डॉ. श्याम नंदन शास्त्री।**

Semester -3

MN 1B	**4 Credits**
पत्र – विज्ञापन और समाचार लेखन	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विज्ञापन लेखन के प्रति उनकी अभिरूचि विकसित होगी। मीडिया उद्योग में वे अच्छे कॉपी लेखक बन सकेंगे।
- समाचार लेखन में अभिरूचि विकसित होगी। रोजगार की दृष्टि से मिडिया के क्षेत्र में संभावनाएँ बढ़ेंगी।
- छात्र मीडिया के लिए महत्तपूर्ण व्यक्तियों के साक्षात्कार लेने में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- **विज्ञापन की परिभाषा, स्वरूप और उद्देश्य**
- **विज्ञापन का महत्त्व**

इकाई–2 **15 Lec. Hours**

- **विज्ञापन के उद्देश्य विज्ञापन का माध्यम**

इकाई–3 **15 Lec. Hours**

- **विज्ञापन लेखन : प्रिंट, रेडियो एवं टेलीविजन के लिए लेखन विज्ञापन कॉपी लेखन, विज्ञान कॉपी अंग, कॉपी लेखन के गुण**

इकाई–4 **15 Lec. Hours**

- **समाचार की परिभाषा और स्वरूप**
- **समाचार के विभिन्न स्रोत**
- **समाचार संकलन**
- **समाचार लेखन**

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **जनसम्पर्क प्रचार एवं विज्ञापन – विजय कुलश्रेष्ठ**
2. **हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी**
3. **विज्ञापन की दुनिया– कुमुद शर्मा**
4. **विज्ञापन डॉट कॉम – रेखा सेठी**
5. **डिजिटल युग में विज्ञापन – सुधा सिंह, जगदीश्वर चतुर्वेदी**
6. **जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता –डॉ. अर्जुन तिवारी**
7. **हिन्दी पत्रकारिता विविध आयाम –डॉ. देवेन्द्र प्रताप वैदिक**

Semester - 3

MJ :4 **4 Credits**
छायावादोत्तर काव्य

पाठ्यक्रम के इस भाग में अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- उत्तर छायावाद युग की सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्यान्दोलनों से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।

इकाई –1 छायावादोत्तर काव्य परिदृश्य और छायावादोत्तर कविता की भूमिका **15 Lec. Houns**

- राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा प्रमुख कवि–माखनलाल चतुर्वेदी ,सियारामशरण गुप्त, बालकृष्ण शर्मा 'नवीन', रामधारी सिंह दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान, रामनरेश त्रिपाठी (सामान्य परिचय–व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

इकाई–2 कवितायें– **15 Lec. Houns**

- माखनलाल चतुर्वेदी – पुष्प की अभिलाषा
- सियारामशरण गुप्त – एक बूँद
- बालकृष्ण शर्मा नवीन – ओ मजदूर किसान उठो
- रामधारी सिंह दिनकर –प्रभाती
- सुभद्रा कुमारी चौहान –झांसी की रानी

इकाई–3 **15 Lec. Houns**

- प्रणयमूलक वैयक्तिक काव्य के प्रमुख–कवि–भगवतीचरण वर्मा, हरिवंश राय बच्चन, रामेश्वर शुक्ल अंचल एवं नरेन्द्र शर्मा, जानकी वल्लभ शास्त्री (सामान्य परिचय–व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

इकाई–4 कवितायें **15 Lec. Houns**

- भगवतीचरण वर्मा – मैं कब से ढूँढ रहा हूँ
- हरिवंश राय बच्चन – जो बीत गई सो बात गई
- रामेश्वर शुक्ल 'अंचल'–काँटे मत बोओ

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ नगेन्द्र
2. छायावादोत्तर काव्य – रणजीत सिंह
3. काव्य सुधा – डॉ. मंजु ज्योत्सना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी
4. नयी कविता : स्वरूप एवं समस्याएँ
5. दिनकर की साहित्य साधना – डॉ. सतीश कुमार राय (सं.)
6. आधुनिक कविता का इतिहास – डॉ. नंदकिशोर नवल
7. आधुनिक हिन्दी कविता – डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

Semester - 3

MJ :5 **4 Credits**

हिन्दी साहित्यः प्रगतिवाद से बीसवीं शताब्दी तक – इतिहास व रचनाएँ

पाठ्यक्रम के इस भाग में अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- प्रगतिशील चेतना का वैचारिक आधार और अभिप्राय स्पष्ट रूप से जान सकेगे।
- प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं, भावबोध और भाषा को समझ सकेंगे।
- समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत सामाजिक आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेगे।
- नयी कविता एवं अकविता का बोध समझ सकेंगे।

इकाई –1 प्रगतिवाद **15 Lec. Houns**

- प्रगतिवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि
- प्रगतिवादी काव्यधारा : प्रमुख प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ
- प्रमुख कवि – केदारनाथ अग्रवाल, नागार्जुन, शिवमंगल सिंह 'सुमन', त्रिलोचन (सामान्य परिचयः व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

इकाई –2 प्रयोगवाद **15 Lec. Houns**

- प्रयोगवाद की पृष्ठभूमि बिंदु
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ, एवं विशेषताएँ
- प्रमुख कवि – अज्ञेय, रामविलास शर्मा, गजानन माधव 'मुक्तिबोध', गिरिजाकुमार माथुर एवं भारतभूषण अग्रवाल (सामान्य परिचयः व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

इकाई –3 नयी कविता **15 Lec. Houns**

- काव्य प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ
- प्रमुख कवि–शमशेर बहादुर सिंह, भवानीप्रसाद मिश्र, नरेश मेहता, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय (सामान्य परिचयः व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

इकाई – 4 **15 Lec. Houns**

- अकविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ
- समकालीन कविता : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विशेषताएँ
- प्रमुख कवि –धूमिल, मंगलेश डबराल, अनामिका, लीलाधार जगूड़ी, राजकमल चौधारी

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **प्रगतिवाद– रामविलास शर्मा**
2. **प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ – रामविलास शर्मा**
3. **आधुनिक हिन्दी साहित्य : विविध आयाम – रामचंद्र तिवारी**
4. **समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध परिदृश्य – रामस्वरूप चतुर्वेदी**
5. **नयी कविता : स्वरूप एवं समस्याएँ – जगदीश गुप्त**
6. **नयी कविता : सीमाएँ और संभावनाएँ – गिरजा कुमार माथुर**
7. **मार्क्सवाद और प्रगतिवाद साहित्य – रामविलास शर्मा (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)**
8. **आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ – नामवर सिंह (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)**
9. **काव्य की भूमिका – रामधारी सिंह दिनकर**
10. **आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ – नगेन्द्र**
11. **अज्ञेय की काव्यदृष्टि : सं. रंजीत सिंह**
12. **छायावादोत्तर काव्य : विविध परिदृश्य–राम स्वरूप चतुर्वेदी**

सेमेस्टर–IV

Semester -4

AEC- 4	**2 Credits**
पत्र – व्यावहारिक हिन्दी –II	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगाः–

1. पत्र लेखन, श्रुतिसमभिन्नार्थक शब्द को विद्यार्थी सीखेंगे।
2. प्रेमचंद की कहानी संग्रह 'पाँच फूल' में संग्रहित विविध कहानियों से विद्यार्थी अवगत होंगे।
3. विद्यार्थी विविध कवियों के कविताओं से अवगत होगें।

इकाई– 1. पाँच फूल– प्रेमचंद 10 Lec. Houns

इकाई– 2. 20 Lec. Houns

- माखनलाल चतुर्वेदी–पुष्प की अभिलाषा
- सुभद्रा कुमारी चौहन – यह कदंब का पेड़ अगर माँ होता यमुना तीरे
- नागार्जुन–अकाल और उसके बाद
- सुमित्रानंदन पंत–ताज
- निर्मला पुतुल – उतनी दूर मत ब्याहना बाबा

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरणः–

समसत्रांत परीक्षा : 50 अंक

समूह अ

3. **दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x10=10)**
4. **दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)**
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने है)

समूह – ब

3. **तीन दीर्घउत्तरीय प्रश्न (10x3=30)**
4. **(दिये गये छः प्रश्नों में से तीन प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)**

अनुशंसित पुस्तकेंः–

1. **प्रेमचंद घर में – शिवरानी देवी**
2. **प्रेमचंद की नीली आँखें – धर्मवीर**
3. **पाँच फूल – प्रेमचंद**

Semester -4

MN 2B	**4 Credits**
पत्र – साहित्य और सिनेमा	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- साहित्य और सिनेमा दोनों ही कला के अलग–अलग रूप हैं,लेकिन वे एक –दसरे से पूरक हैं और एक–दसरे के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं– विद्यार्थियों को ऐसा ज्ञान मिलेगा।
- विद्यार्थियों को ज्ञान होगा कि साहित्य सिनेमा के लिए कहानी और संवाद का आधार बनता है, जबकि सिनेमा साहित्य को एक व्यापक दर्शकों तक पहुंचा सकता है।

इकाई–1: साहित्य की परिभाषा, साहित्य और सिनेमा का अंतर्संबंध **15 Lec. Hours**

इकाई–2: हिन्दी सिनेमा का उद्भव और विकास **15 Lec. Hours**

इकाई–3: हिन्दी की साहित्यिक कृतियों पर बने सिनेमा का सामान्य परिचय– **15 Lec. Hours**

(गोदान, गाइड, थ्री इडियट्स, नदिया के पार, तीसरी कसम, तमस)

इकाई–4: हिन्दी की निम्न सिनेमाओं का मूल्यांकन **15 Lec. Hours**

शहीद, गाँधी, चकदे! इण्डिया, बार्डर, लगान

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **सिनेमा और साहित्य : हरीश कुमार।**
2. **'बसुधा' पत्रिका : फिल्म विशेषांक।**
3. **सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा।**
4. **भारतीय सिनेमा का सफरनामा, संकलन और सम्पादन : जय सिंह, प्रकाशन विभाग।**
5. **हिन्दी फिल्मों का संक्षिप्त इतिहास : सामयिक प्रकाशन**
6. **भारतीय सिनेमा का सफरनामा : डॉ. पुनीत बिसारिया, अटलांटिक पाब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड, नयी दिल्ली, 2014**

Semester -4

MJ - 6	**4 Credits**
पत्र – हिन्दी भाषा और उसका विकास	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियो को भाषा के स्वरूप और महत्त्व का ज्ञान प्राप्त होगा।
- विद्यार्थी भारत को एक सूत्र में बाँधनेवाली हिंदी भाषा की विविध बोलियों से परिचित हो सकेंगे।
- वैज्ञानिक और उपयोगी लिपि 'नागरी' का अपेक्षित ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1: हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास 20 **Lec. Hours**

इकाई–2: हिन्दी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी के विविध रूप, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का विकास, हिंदी के प्रचार–प्रसार में प्रमुख संस्थाओं का योगदान। 20 **Lec. Hours**

इकाई–3: हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप–बोली, मानक भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, संचार (सम्प्रेषण) माध्यम 10 **Lec. Hours**

इकाई–4: देवनागरी लिपि का विकास, वैज्ञानिकता और उसका मानकीकरण। 10 **Lec. Hours**

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. भाषा विज्ञान की भूमिका – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
3. हिंदी भाषा का विकास – डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
4. भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
5. भाषा विज्ञान की रूपरेखा – डॉ. हरीश शर्मा
6. हिंदी भाषा का विकास – डॉ. गोपाल राय
7. भाषा विज्ञान और हिंदी भाषा – डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ. जीतेन्द्र वत्स
8. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि – डॉ. देवेन्द्र प्रसाद सिंह
9. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ – डॉ. बलराम तिवारी
10. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ. बाबूराम सक्सेना
11. भाषा और समाज : डॉ. रामविलास शर्मा

Semester - 4

MJ -7	**4 Credits**
कथा साहित्यः कहानी व उपन्यास	

पाठ्यक्रम के इस भाग में अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- कथा साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी सम्पूर्ण मानव जगत की मानवीयता से परिचित होंगे।
- कथा साहित्य विद्यार्थियों को जीवन की वास्तविकता से परिचित करायेगा।
- कथा साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में रचनात्मक विचार सृजन धर्म का विकास होगा।
- कथा साहित्य के विभिन्न संदर्भो और घटनाओं से विद्यार्थियों को जीवन में गतिशील रहने की प्रेरणा मिलेगी।
- कथा साहित्य से विद्यार्थियों को गंभीर भावबोध को समझने का अवसर मिलेगा।

इकाई –1 10 **Lec. Houns**

- कहानी के तत्त्व
- हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

इकाई –2 10 **Lec. Houns**

- उपन्यास के तत्त्व
- हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

इकाई –3 20 **Lec. Houns**

- मुंशी प्रेमचंद–पूस की रात
- अज्ञेय –रोज
- पं. चंद्रधर शर्मा गुलेरी– उसने कहा था,
- जैनेंद्र कुमार – पाजेब
- उषा प्रियंवदा –वापसी

इकाई –4 20 **Lec. Houns**

- भीष्म साहनी – तमस
- उषा प्रियंवदा–पचपन खम्भें लाल दीवारें

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **हिन्दी का गद्य साहित्य : रामचंद्र तिवारी**
2. **हिन्दी का गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी।**
3. **हिन्दी गद्य रूप सैद्धांतिक विवेचन : निर्मला देवी श्रीवास्तव।**
4. **हिन्दी कहानी का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
5. **हिन्दी कहानी का इतिहास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली**
6. **आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, डॉ. बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज**
7. **हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नग्रेन्द्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा**
8. **विषय वस्तुनिष्ठ हिन्दी कल और आज, डॉ. केदार सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली**
9. **हिन्दी उपन्यास की विकास यात्रा–मधुरेश**
10. **कुछ कहानियाँ : कुछ विचार–विश्वनाथ त्रिपाठी**

Semester - 4

MJ 8:	**4 Credits**
हिन्दी आलोचना	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियों में आलोचना दृष्टि विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में आलोचना की नयी प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- उनमें साहित्य को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

इकाई –1: हिन्दी आलोचना की अवधारणा एवं पृष्ठभूमि। 15 **Lec. Houns**

इकाई –2: हिन्दी आलोचना के विविध स्वरूप एवं उनका विकास। 15 **Lec. Houns**

इकाई –3: स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी आलोचना और प्रमुख आलोचकः हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, डॉ० नगेन्द्र, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह (साहित्यिक परिचय)

स्वतंत्रतापूर्व हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचकः भारतेंदु हरिश्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, आचार्य रामचन्द्र शुक्ल साहित्यिक परिचय 15 **Lec. Houns**

इकाई–4 नवीन आलोचना पद्धति– मनोविश्लेषणवादी, मार्क्सवादी आलोचना 15 **Lec. Houns**

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **चिन्तामणि भाग–1 : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।**
2. **हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।**
3. **हिन्दी साहित्य की प्रसिद्ध भूमिकाएँ : संपादन – कृष्णदत्त पालीवाल।**
4. **आस्था के चरण : डॉ० नगेन्द्र**
5. **हिन्दी जाति का साहित्य : रामविलास शर्मा।**
6. **हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी।**
7. **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : डॉ० रामविलास शर्मा।**
8. **हिन्दी गद्य विन्यास और विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी।**
9. **हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार : डॉ० रामचन्द्र तिवारी।**
10. **हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी।**

सेमेस्टर–V

Semester -5

MN 1C	**4 Credits**
पत्र – अनुवाद कौशल	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- अनुवाद की प्रयोजनीयता और प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
- उनके अच्छे अनुवाद बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी।
- अनुवाद की अवधारणा इसके महत्त्व, आयामों एवं रोजगार की संभावनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना तथा अनुवाद की तकनीकी समस्याओं से अवगत कराना।

इकाई–1 15 **Lec. Hours**

- अनुवाद का अर्थ, स्वरूप और क्षेत्र

इकाई–2 15 **Lec. Hours**

- अनुवाद के विविध प्रकार : साहित्यिक अनुवाद, कार्यालयी अनुवाद, शब्दानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, आशु–अनुवाद

इकाई–3 10 **Lec. Hours**

- भाषा शिक्षण और अनुवाद, अनुवाद की समस्याएं

इकाई–4 20 **Lec. Hours**

- अनुवाद की प्रयोजनीयता, अनुवादक के गुण
- हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद का अभ्यास

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **अनुवाद सिद्धांत और संप्रेषण – डॉ हरिमोहन**
2. **अंग्रेजी हिंदी अनुवाद व्याकरण – सूरजभान सिंह**
3. **अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – डॉ. सुरेश कुमार**
4. **अनुवाद और अनुप्रयोग – प्रो. दिनेश चमोला 'शैलेश' प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।**
5. **अनुवाद – कला : भोलानाथ तिवारी – जयन्ती प्रसाद नौटियाल, परमेश्वरी प्रकाशन, दिल्ली।**
6. **अनुवाद की प्रक्रिया – तकनीक और समस्याएँ : डॉ. श्रीनारायण समीर, लोकभारती प्रकाशन**
7. **अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचन्द्र भाटिया**
8. **अनुवाद सिद्धांत और समस्या –डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव**
9. **अनुवाद की विविध समस्याएँ –डॉ. ओमप्रकाश गाबा**
10. **अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएँ – डॉ. भोलानाथ तिवारी**
11. **हिन्दी साहित्य का वृहत इतिहास – सोलहवां भाग– पं. राहुल सांस्कृत्यायन**

Semester - 5

MJ 9:	**4 Credits**
नाट्य साहित्य	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियों में संवाद–कला का विकास
- नाट्य मंचन के माध्यम से विद्यार्थियों में अभिनय –कला का विकास।
- शिक्षण में नाट्य कार्यशाला की अनिवार्यता सुनिश्चित करके भाषा/अभिव्यक्ति–कौशल और पटकथा लेखन के ज्ञान का विकास।
- किसी एक नाटक का अनिवार्य मंचन सुनिश्चित करना जिससे विद्यार्थियों का नाट्य स्वरूप से परिचय हो सके। विद्यार्थियों में राष्ट्रीय और सांस्कृतिक ऐक्य का भाव विकसित करना।

इकाई –1 **15 Lec. Houns**

- हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
- हिन्दी एकांकी का उद्भव और विकास

इकाई –2 **15 Lec. Houns**

- प्रमुख नाटककार एवं एकांकीकार का साहित्यिक परिचय : भारतेंन्दु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद सफदर हाशमी, भीष्म साहनी

इकाई –3 **15 Lec. Houns**

- भारतेंदु हरिश्चंद्र – अंधेर नगरी
- जयशंकर प्रसाद – चन्द्रगुप्त

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- सफदर हाशमी–औरत–नुक्कड़ नाटक
- भीष्म साहनी – रंग दे बसन्ती चोला

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **हिन्दी नाटक उद्भव और विकास – डॉ० दशरथ ओझा, वाणी प्रकाशन**
2. **प्रसाद के नाटक – डॉ० सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना**
3. **हिन्दी नाट्य शास्त्र का स्वरूप – डॉ० नर्मदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना**
4. **हिन्दी नाटक–बच्चन सिंह**
5. **भारतीय नाटक और रंगमंच – जगदीश चतुर्वेदी**
6. **हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास – डॉ० सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना**
7. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा**
8. **प्रसाद और उनके नाटक – प्रो केशरी कुमार**
9. **हिन्दी नाटक : कल और आज –केदार सिंह**
10. **चन्द्रगुप्त – एक मूल्यांकन : राजनाथ शर्मा**
11. **हिन्दी एकांकी – उद्भव और विकास : डॉ. रामचरण मीहेंद्र**

Semester - 5

MJ 10:	**4 Credits**
भारतीय काव्य शास्त्र	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
- काव्य के महत्त्वपूर्ण उपादानों से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में काव्य के पाठ को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
- विद्यार्थी कविता के मानकों को समझकर कविता का सही ढ़ंग से विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- शब्द शक्ति, काव्य गुण–दोष

इकाई –3 20 **Lec. Houns**

- रस सिद्धांत : रस का स्वरूप और भेद, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण

इकाई –4 10 **Lec. Houns**

- अलंकार सिद्धांत : परिभाषा, लक्षण, अलंकार के भेद, अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, अतिश्योक्ति, उत्प्रेक्षा।
- छंद – दोहा, सोरठा, रोला, चौपाई, कवित्त, हरिगीतिका।

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **रस मीमांसा – आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
2. **भारतीय काव्यशास्त्र – सत्यदेव चौधरी**
3. **भारतीय काव्यशास्त्र – हरीश चंद्र वर्मा**
4. **भारतीय काव्यशास्त्र – भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी**
5. **भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ तारक नाथ बाली, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली**
6. **काव्यशास्त्र – डॉ नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस नई दिल्ली**
7. **अलंकार मुक्तावली : डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा**

Semester - 5

MJ 11:	**4 Credits**
प्रयोजनमूलक हिन्दी	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- प्रयोजनामूलक हिन्दी की उपयोगी जानकारी प्राप्त कर छात्र रोजगार के सरकारी तथा गैर सरकारी क्षेत्रों के लिए हिन्दी के प्रयोग में दीक्षित हो सकेंगे।
- छात्र कामकाज से संबंधित पत्र लेखन में सक्षम हो सकेंगे।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणाएँ, संभावनाएँ, अभिप्राय एवं विशेषताएँ, रोजगार के क्षेत्र में प्रयोजनमूलक हिंदी की संभावनाएं

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और क्षेत्र
- कार्यालयी हिंदी, तकनीकी हिंदी, व्यवसायिक हिंदी, साहित्यिक हिंदी, संचार माध्यम की हिंदी

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- प्रशासनिक हिंदी : निर्धारित शब्दावली – 50 शब्द

इकाई–4 15 **Lec. Houns**

- पत्र लेखन : सरकारी, अर्द्ध सरकारी, व्यवसायिक पत्र लेखन, प्रारूपण एवं टिप्पण

प्रशासनिक शब्दावली

Administration – प्रशासन	**Editor -** संपादक
Admit Card – प्रवेश पत्र, प्रवेशक पत्रक	**Expert –** विशेषज्ञ
Allotment – आबंटन	**Faculty –** संकाय

Dean of Humanities – अधिष्ठाता मानविकी	**Document –** दस्तावेज
Abstract – सार	**Account-** लेखा ,खाता
Appointment- नियुक्ति	**Approval** -अनुमोदन
Ballot paper – मतपत्र	**Board –** मण्डल
Gazette – राजपत्र	**Guidance –** निर्देशन
Memorandum – ज्ञापन	**Notice-** सूचना
Notification – अधिसूचना	**Permanent appointment –** स्थायी नियुक्ति
Qualification – अर्हता, योग्यता	**Registrar –** कुलसचिव
Retire – सेवा–निवृत्त होना	**Report –** प्रतिवेदन
Review- समीक्षा	**Seeretary-** सचिव
Tenure- कार्यकाल	**Transfer –** स्थानांतरण
Urban – नगरीय, शहरी	**University grant commission –** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
Verification – सत्यापन	**Dean of student welfare (DSW) –** अधिष्ठाता छात्र कल्याण
Vacation – अवकाश	**Vice chancellor –** कुलपति
Workshop – कार्यशाला	**Council –** परिषद्
Controller- नियंत्रक	**Consent-** सहमति
Confidential – गोपनीय	**Committee-** समिति
Circular letter – परिपत्र	**Certificate –** प्रमाणपत्र
Chairman/ Chair-person – अध्यक्ष, सभापति	**Biodata-** जीवनवृत्त
Candidate- अभयर्थी, उम्मीदवार	**Logo-** प्रतीक चिन्ह

Identity card- पहचान–पत्र	**Examination controller –** परीक्षा नियंत्रक
Dean of social science – अधिष्टाता समाज विज्ञान	**Dean of commerce –** अधिष्ठाता वाणिज्य

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी – डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया**
2. **अनुवाद कला – डॉ. एन. ई. विश्वनाथ अय्यर**
3. **प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध परिदृश्य – डॉ. रमेश चन्द्र त्रिपाठी**
4. **प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया**
5. **प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप – डॉ. राजेन्द्र मिश्र/राकेश शर्मा**
6. **प्रयोजनमूलक हिन्दी – डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव**
7. **प्रयोजनमूलक हिन्दी –डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी**
8. **प्रयोजनमूलक हिन्दी – दिनेश प्रसाद सिंह**
9. **प्रयोजनमूलक हिन्दी – सिद्धांत और प्रयोग – दंगल झाल्टे**

Semester - 5

IAP **Dissertation** (निबंध) **Project** (परियोजना कार्य) 4 क्रेडिट	
इकाई–1	विभाग द्वारा निर्धारित किसी एक विषय पर 2000 शब्दों/ **Dissertation Project** तैयार करना होगा
इकाई–2	प्रत्येक छात्राओं के समूह को विभागीय शिक्षकगण में से शिक्षिका या शिक्षक के निर्देशन में **Dissertation Project** (लघु लेखन/परियोजन) परियोजना कार्य को पूर्ण करना होगा
सामान्य अनुदेश	
	पूर्णांकः 75
1. परियोजना कार्य	75
2. मौखिकी	25

सेमेस्टर–VI

Semester -6

MN-2C	**4 Credits**
पत्र – सोशल मीडिया और हिन्दी	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी मीडिया के विविध रूपों के साथ–साथ उसकी उपयोगिता को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी विज्ञापन के महत्त्व एवं उद्देश्य के साथ–साथ विज्ञापन लेखन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई–1 15 **Lec. Hours**

- सोशल मीडिया की अवधारणा एवं उत्पति।

इकाई–2 10 **Lec. Hours**

- सोशल मीडिया के स्वरूप एवं प्रकार : ट्विटर, व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, विकीपीडिया आदि।

इकाई–3 15 **Lec. Hours**

- सोशल मीडिया का प्रभाव : सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक प्रभाव।

इकाई–4 20 **Lec. Hours**

- सोशल मीडिया के महत्व एवं दुष्प्रभाव।
- सोशल मीडिया में हिन्दी भाषा का स्वरूप।

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **मीडिया समग्र खंड : जगदीश्वर चतुर्वेदी।**
2. **मीडिया के सामाजिक सरोकार : कालूराम परिहार।**
3. **सूचना समाज : अरमांड मैय लॉड।**
4. **सोशल मीडिया : योगेश पटेल।**
5. **मीडिया, भूमंडलीकरण और समाज : सं. संजय द्विवेदी।**
6. **हिन्दी का सम्पूर्ण समाचार पत्र कैसा हो: वेदप्रताप वैदिक।**
7. **1000 मीडिया प्रश्नोत्तरी : अनीश भसीन।**

Semester - 6

MJ :12	**4 Credits**
तुलसीदास	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- तुलसीदास का जीवन और व्यक्तित्व से परिचित हो सकेंगे।
- तुलसीदास के रचना संसार से परिचित हो सकेंगे।
- तुलसीदास के काव्यबोध से परिचित हो सकेंगे।
- हिन्दी साहित्य में तुलसीदास के उनका स्थान के बारे में जान सकेंगे।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- तुलसीदास का व्यक्तित्व एवं कृतित्व, राम काव्य में तुलसी का स्थान

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- तुलसी की भक्ति, समन्वयकारी तुलसी,तुलसी काव्य में पारिवारिक मूल्य

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- कवितावली 5 छंद–उत्तरकांड –गीता प्रेस गोरखपुर
- पद संख्या – 29, 35, 45, 67,73

29. सुनु कान दिएँ, नित नेमु लिएँ रघुनाथहि गुनगाथहि रे।

35. सोजननी, सो पिता, सोइभाई, सोभामिनि, सो सुतु, सो हितु मेरो

45. राज सुरेस पचासकको विधिके करको जो पटो लिखि पाए।

67. ऊँचो मनु, ऊँची रूचि, भागु नीचो निपट ही

73. जायो कुल मंगन, बधावना बजायो, सुनि

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- विनय पत्रिका – 5, 30, 45, 72, 78
  5. वाबरो रावरो नाह भवानी।
  30. जाकी गति है हनुमान की।
  45. श्रीराचन्द्र कृपालु भजु मन
  72. मेरो भलो कियो राम आपनी भलाई
  78. दीन को दयालु दानि दूसरो न कोऊ।
- रामचरितमानस –अयोध्याकांड (मासपरायण–चौदहवाँ विश्राम)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा
2. त्रिवेणी – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. नगेंद्र
4. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुंतल मेघ
5. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी
6. तुलसी काव्य मीमांसा : उदयभानु सिंह
7. भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य : शिवकुमार मिश्र
8. श्रीरामचरिमानस : गोस्वामी – गीता प्रेस गोरखपुर

Semester - 6

MJ :13	**4 Credits**
आधुनिक हिंदी काव्य	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियों को इस अध्ययन से आधुनिक हिन्दी काव्य के विकास और विभिन्न कवियों के योगदान को समझने में मदद मिलती है।
- आधुनिक हिन्दी काव्य का अधिगम एक व्यापक और बहुआयामी प्रक्रिया है, जिसमें कविता के विभिन्न पहलुओं, कवियों के योगदान और सामाजिक–राजनीतिक संदर्भ का अध्ययन शमिल है।
- साहित्यिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों के विकास को समझने में विद्यार्थियों को मदद मिलेगी।

इकाई –1 20 **Lec. Houns**

- मैथिलीशरण गुप्त – पंचवटी
- रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिरथी–तृतीय सर्ग

इकाई –2 20 **Lec. Houns**

- जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा एवं लज्जा सर्ग)
- निराला : सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार

इकाई –3 10 **Lec. Houns**

- मुक्तिबोध – अंधेरे में

इकाई –4 10 **Lec. Houns**

- नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है
- रघुवीर सहाय : आत्महत्या के विरूद्ध

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **छायावाद : डॉ नामवर सिंह**
2. **कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध**
3. **निराला : डॉ इंद्रनाथ मदान**
4. **साकेत एक अध्ययन : डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिकेशन हाउस, दिल्ली**
5. **आधुनिक कवि – विश्वंभर मानव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद**
6. **नयी कविता और अस्तित्ववादः रामविलास शर्मा**
7. **नई कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन।**
8. **आधुनिक हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी**
9. **समकालीन हिंदी कविता : रविंद्र भ्रमर**
10. **आधुनिक कविता यात्राः रामस्वरूप चतुर्वेदी**
11. **साहित्य योग और मूल्यांकन – केदार शर्मा**
12. **काव्य–सुधा– डॉ. मंजु ज्योत्स्ना, डॉ. नागेश्वर सिंह, डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी**

Semester - 6

MJ :14	**4 Credits**
प्रेमचंद	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- प्रेमचंद का संक्षिप्त जीवन परिचय प्राप्त कर सकेंगे।
- उपन्यासकार प्रेमचंद के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- कहानीकार प्रेमचंद के बारे जान सकेंगे।
- विद्यार्थी प्रेमचंद के साहित्य में समाज के यथार्थ से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी सामाजिक मुद्दों पर विचार करने के लिए प्रेरित होंगे और मानवीय संवेदनाओं को जाग्रत कर सकेंगे।

इकाई –1 **15 Lec. Houns**

- प्रेमचंद – प्रेमचंद कथा साहित्य एवं विशेषता

इकाई –2 **15 Lec. Houns**

- प्रेमचंद– कर्मभूमि (उपन्यास)

इकाई –3 **15 Lec. Houns**

- कहानी – पंच परमेश्वर, ठाकुर का कुआं, बड़े घर की बेटी, बूढ़ी काकी, कफन

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- निबंध – कहानी भाग –1 एवं भाग 2 (प्रेमचंद कुछ विचार में संकलित)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **कहानी : नई कहानी –डॉ रामकुमार सिंह**
2. **प्रेमचंद और उनका युग – रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन दिल्ली**
3. **प्रेमचंद : एक विवेचन – इंद्रनाथ मदान**
4. **हिन्दी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी**
5. **हिंदी उपन्यास का विकास –मधुरेश**
6. **भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य – शिवकुमार मिश्र**
7. **लोकवादी तुलसीदास – विश्वनाथ त्रिपाठी**
8. **हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र**
9. **कुछ विचार – प्रेमचंद**

Semester - 6

MJ: 15	**4 Credits**
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी पश्चिमी साहित्य चिंतन की परम्परा से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में आलोचना दृष्टि विकसित होगी।
- वे भारतीय और पाश्चात्य आलोचना दृष्टियों का तुलनात्मक विवेचन कर सकेंगे।
- उन्हें आलोचना की नयी प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- उनमें साहित्य को समझाने की दृष्टि विकसित हो सकेगी।

इकाई –1 40 **Lec. Houns**

- प्लेटो : काव्य सिद्वान्त
- अरस्तू : अनुकरण, विरेचन एवं त्रासदी सिद्धांत
- लोंजाइनस : उदात्त सिद्वान्त
- कॉलरिज : कल्पना और फैंटेसी
- क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

इकाई – 2 20 **Lec. Houns**

- वाद और सिद्धान्त
  स्वच्छंतावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद,
- मिथक, फंतासी, कल्पना, बिम्ब, प्रतीकवाद

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा**
2. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्वान्त – डॉ. शांति स्वरूप गुप्त**
3. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. बच्चन सिंह**
4. **पाश्चात्य काव्यशास्त्र चिंतन – निर्मला जैन**

सेमेस्टर–VII

Semester -7

MN 1D	**4 Credits**
पत्र – पर्यटन और साहित्य	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- साहित्य में पर्यटन को कैसे दर्शाया जाता है और इसका अध्ययन करना।
- विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि पर्यटन और साहित्य में एक अंतर्सबंधित संबंध है।
- विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि साहित्य पर्यटन के लिए एक संदर्भ प्रदान करता है और पर्यटक साहित्य के माध्यम से पर्यटन के अनुभवों को महसूस करते है।

इकाई–1 **15 Lec. Hours**

- पर्यटन का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

इकाई–2 **15 Lec. Hours**

- पर्यटन और हिंदी का यात्रा वृतांत साहित्य एक सामान्य परिचय

इकाई–3 **15 Lec. Hours**

- भारत में पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थल का संक्षिप्त परिचय

इकाई–4 **15 Lec. Hours**

- भारत में पर्यटन उद्योग स्थल का संक्षिप्त परिचय

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **यात्रा साहित्य विधाः शास्त्र और इतिहास : बापूराव देसाई।**
2. **पर्यटन सिद्धांत और प्रबंधनः विश्वरूप सहाय।**
3. **भारत में पर्यटनः राजेश कुमार व्यास।**

Semester - 7

MJ 16:	**4 Credits**
भाषा विज्ञान	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की शारीरिक इकाइयों दृश्य, ध्वनि, शब्द, वाक्य आदि का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा।
- हिन्दी के अर्थ–विकास की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
- भाषा विज्ञान में विद्यार्थी, भाषा की संरचना, प्रयोग, विकास और सामाजिक संदर्भ में भूमिका का अध्ययन कर सकेंगे।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- भाषा : परिभाषा, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- ध्वनि : परिभाषा और ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ
- शब्द : परिभाषा और स्त्रोत के आधार पर वर्गीकरण

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- वाक्य : परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्व और संरचना के आधार पर वर्गीकरण

इकाई –4 15 **Lec. Houns**

- अर्थ : परिभाषा, अर्थ (परिवर्तन) की दिशाएँ

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
   (दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
   (दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी**
2. **भाषा की भूमिका : आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा**
3. **हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास : डॉ. उदय नारायण तिवारी**
4. **भाषा और समाज : डॉ. रामविलास शर्मा।**
5. **भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली।**
6. **भाषाशास्त्र की रूपरेखा : उदयनारायण तिवारी।**
7. **हिन्दी भाषा : डॉ. भोलानाथ तिवारी।**

Semester - 7

MJ 17:	**4 Credits**
हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य में देश प्रेम, राष्ट्रीय एकता और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष जैसी भावनाओं को व्यक्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी इसके अध्ययन से हिन्दी साहित्य को एक ऐसे रूप में देख सकेंगे जो सिर्फ कलात्मक रचनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में राष्ट्रीय जागरूकता और चेतना को भी बढ़ावा देता है। यह राष्ट्र के विकास और उन्नति में योगदान देता है।

इकाई –1 **15 Lec. Houns**

- राष्ट्रीय चेतना : पृष्ठभूमि
- राष्ट्रीय चेतना की कविताओं में देशप्रेम के विविध आयाम

इकाई –2 **15 Lec. Houns**

- हिन्दी साहित्य के विविध काल की कविताओं में राष्ट्रीय चेतना का विकास

इकाई –3 **15 Lec. Houns**

- हिन्दी साहित्य में राष्ट्रीय चेतना के प्रमुख कवि
- भारतेन्दु हरिश्चंद्र
- अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"
- मैथिलीशरण गुप्त,
- सुभद्रा कुमारी चौहान

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र –कवित्त – 1–5
  1. कूकै लगीं कोइलैं कदंबन पै बैठि फेरि
  2. नैन लाल कुसुम पलास से रहे हैं फूलि
  3. घेरि घेरि घन आए छाय रहे चहुँ ओर

4. हम तो तिहारे सब भाँति सों कहावै सदा
5. छाँड़ि कुल बेद तेरी चेरी भई चाह भरी

- अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध" – कर्मवीर,
- मैथिलीशरण गुप्त – मातृभूमि,
- सुभद्रा कुमारी चौहान – वीरों का कैसा हो वसंत

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1.पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2.दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3.चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. भारतेंदु हरिश्चंद्र – रामविलास शर्मा
3. राष्ट्रीय नवजागरण और साहित्य – मुकुंददेव शर्मा
4. आधुनिक हिंदी कविता में राष्ट्रीय भावना – डॉ सुधाकर शंकर कलवडे
5. भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना – प्रो. रचना शर्मा
6. साहित्य की चेतना – पं विद्यानिवास मिश्र
7. आधुनिक हिन्दी कबिता में राष्ट्रीय चेतना – डॉ. माधुरी पाण्डेय गर्ग

Semester - 7

MJ 18:	**4 Credits**
आदिवासी विमर्श	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी आदिवासी विमर्श समाज के लिए महत्त्वपूर्ण चिंतन का क्षेत्र है, इसका अध्ययन कर सकेंगे।
- आदिवासियों के अधिकारों, संस्कृति और अस्तित्व को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक दिशाओं पर विचार कर सकेंगे।

इकाई –1 **15 Lec. Houns**

- विमर्श की अवधारणा,
- आदिवासी विमर्श : उद्भव और विकास

इकाई –2 **15 Lec. Houns**

- झारखण्ड के प्रमुख आदिवासी साहित्यकारों का साहित्यिक परिचय
- रामदयाल मुण्डा, महादेव टोप्पो, एलिस एक्का, वन्दना टेटे, निर्मला पुतुल, अनुज लुगुन

इकाई –3 **15 Lec. Houns**

- उपन्यास : मरंग गोड़ा नीलकंठ हुआ– महुआ माझी

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- कहानीः
  वनकन्या – एलिस एक्का,
  खरगोशों का कष्ट– राम दयाल मुण्डा,
- कविता :
- इतनी दूर मत ब्याहना बाबा – निर्मला पुतुल,
- अघोषित उलगुलान – अनुज लुगुन

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1 पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)

2 दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3 चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)
(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **आदिवासी समाज और साहित्य : सं० रमणिका गुप्ता**
2. **आदिवासी दर्शन और साहित्य : वंदना टेटे**
3. **आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : सं० कुमार वीरेन्द्र, पैसिफिक पब्लिकेशन, दिल्ली**
4. **आदिवासी साहित्य विमर्श : सं० गंगासहाय मीणा**
5. **आदिवासी अस्तित्व और झारखण्डी अस्मिता का सवाल : पद्मश्री रामदयाल मुण्डा**
6. **आदिवासी साहित्य यात्रा : रमाणिका गुप्ता**
7. **आदिवासी विमर्श के रोड़े : केदार प्रसाद मीणा**
8. **अस्मिता ही नहीं, आस्तित्व का सवाल : हरिराम मीणा**
9. **आदिवासी अस्मिता का संकट : रमाणिका गुप्ता**
10. **अखड़ा (त्रैमासिक पत्रिका) : सं० वंदना टेटे**

Semester - 7

MJ 19:	**4 Credits**
हिन्दी निबंध	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी इस अध्ययन के प्श्चात् निबंध के अर्थ और परिभाषा से परिचित होंगे।
- हिन्दी निबंध के उद्भव के बारे में जान सकेंगे।
- हिन्दी निबंध साहित्य के विकास क्रम से परिचित हो सकेंगे।

इकाई –1 20 **Lec. Houns**

- हिन्दी निबंध का स्वरूप एवं प्रकार
- हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास

इकाई –2 10 **Lec. Houns**

- साहित्य का उद्देश्य–प्रेमचंद

इकाई –3 10 **Lec. Houns**

- समाज और व्यक्ति–महादेवी वर्मा

इकाई –4 20 **Lec. Houns**

- शिव शंभु के चिट्ठे – बालमुकुंद गुप्त
- शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण
समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)
(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)
3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)
(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **निबंधायन – डॉ दिनेश्वर प्रसाद**
2. **हिन्दी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन – बाबू राव, वाणी प्रकाशन**
3. **साहित्य विधाएँ:सैद्धांतिक पक्ष –डॉ मधु धवन, वाणी प्रकाशन**
4. **साहित्य की विधाएं : पुनर्विचार – डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन**
5. **निबंध क्रांति– हरिप्रसाद चतुर्वेदी, भावना प्रकाशन**

सेमेस्टर–VIII

Semester - 8

MN:2D	**4 Credits**
राजभाषा हिन्दी	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- भारतीय संविधान में हिन्दी को राजभाषा का गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। विद्यार्थी को संविधान के 343 से 351 तक के अनुच्छेदों में संकेतित हिन्दी प्रयोग की व्यवस्था का ज्ञान प्राप्त होगा।
- हिन्दी का ज्ञान हमें संस्कृति, भाषा, रोजगार और संचार के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त करने में मदद करता है।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- राजभाषा हिन्दी की अवधारणा ।
- राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा
- राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा में अंतर

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 से 345 में व्यवस्थित हिन्दी की स्थिति।

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 349 से 351 में व्यवस्थित हिन्दी की स्थिति और प्रयोग व्यवस्था।

इकाई –4 15 **Lec. Houns**

- राजभाषा संकल्प 1968 एवं राजभाषा नियम 1976।
- वर्तमान समय में राजभाषा हिन्दी की स्थिति एवं संभावनाएँ।

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. कामकाजी हिन्दी : कैलाश चंद्र भाटिया।
2. कार्यालयी हिन्दी :विजयपाल सिंह।
3. प्रशासन में राजभाषा हिन्दी : कैलाश चंद्र भाटिया।
4. मानक हिन्दी का स्वरूप : भोलानाथ तिवारी।
5. राजभाषा के संदर्भ में हिन्दी आंदोलन का इतिहास : उदयनारायण दुबे।
6. राजभाषा के प्रबंधन : गोवर्धन ठाकुर।
7. हिन्दी : उद्भव विकास और रूपःहरदेव बाहरी।
8. हिन्दी व्याकरणः कामता प्रसाद गुरू।
9. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी।
10. राजभाषा हिन्दी : विवेचना और प्रयुक्ति : किशोर वासवानी।
11. प्रयोगमूलक हिन्दी : डॉ. बालेन्दु शेखर तिवारी।

Semester - 8

MJ 20:	**4 Credits**
हिन्दी साहित्य की कालजयी रचनाएँ	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- कालजयी रचनाएं समय की सीमा से परे होती है और हमेशा प्रासंगिक होती है विद्यार्थीयों को इसका ज्ञान होगा।
- विद्यार्थी कालजयी रचनाओं के द्वारा हिन्दी के साहित्यिक, सांस्कृतिक और मानवीय मूल्यों से को समझ सकेंगे।
- कालजयी साहित्य की पहचान कर सकेंगे।

इकाई –1 उपन्यास **15 Lec. Houns**

प्रेमचंद –गोदान
राही मासूम रजा – आधा गाँव

इकाई –2 कहानी **15 Lec. Houns**

प्रेमचंद – कफन
चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था
सुदर्शन –हार की जीत
तीसरी कसम – फणीश्वरनाथ रेणु
कृष्णा सोबती–सिक्का बदल गया

इकाई –3 नाटक **15 Lec. Houns**

धर्मवीर भारती – अंधायुग
सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – बकरी

इकाई –4 कविता **15 Lec. Houns**

राम की शक्ति पूजा– सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
झांसी की रानी – सुभद्रा कुमारी चौहान

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **कथा साहित्य के सौ बरस – विभूति नारायण राय**
2. **आज की हिन्दी कहानी – विजय मोहन सिंह**
3. **गोदान एक पुनार्विचार – परमानंद श्रीवास्तव**
4. **गोदान नया परिप्रेक्ष्य, गोपाल राय**
5. **आधा गाँव–राही मासूम रजा**
6. **भारतीय स्वतंत्रता और हिन्दी उपन्यास – शशिभूषण सिंहल**
7. **हिन्दी उपन्यास का इतिहास –प्रो. गोपालराय**
8. **कफन (कथासंग्रह) – प्रेमचंद**
9. **सौ साल की एक कहानी उसने कहा था – नामवार सिंह**
10. **गोदान संवेदना और शिल्प – डॉ. चन्द्रेश्वर कर्ण**

नई शिक्षा नीति 2020 पर आधारित चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम
शैक्षणिक वर्ष 2022–2023 से

कोल्हान विश्वविद्यालय, चाईबासा, झारखण्ड
विषय –हिन्दी

स्नातक हिन्दी सेमेस्टर VIII के लिए शोध पाठ्यक्रम

Programme/Class Bachelor's Degree with Hons./Hons. with Research कार्यक्रम / वर्ग स्नातक प्रतिष्ठा डिग्री / शोध प्रतिष्ठा	Year-Fourth वर्ष–चतुर्थ	Semester-VIII समसत्र– अष्टम

Research Course-RC					
Paper	**Credit**	**Subject**	**Marks Distribution**	**Full Marks**	**Pass Marks**
RC-1	**4**	**Research Methodology**	**75+25**	**100**	**40**
RC-2	**8**	**Synopsis and Thesis Writing+Viva-Voce**	**150+50**	**200**	**80**

शोध पाठ्यक्रम 300 अंकों के होंगे, जिन्हें दो पेपरों में विभाजित किया जाएगा। **पेपर -1: शोध पद्धति** 75 अंकों (अंतिम सेमेस्टर परीक्षा) + 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन) = 100 अंकों का होगा। **पेपर- 2 : शोध प्रारुप, शोध प्रबंध (थीसिस) और मौखिक परीक्षा** , 200 अंकों का होगा।

अधिगम के मूल उद्देश्य (BO)
1. पद्धतिगत सुदृढ़ता और प्रासंगिकता के लिए मौजूदा शोध का आलोचनात्मक मूल्यांकन करना। 2. विभिन्न शोध डिजाइनों और उनके उपयुक्त अनुप्रयोगों को समझना। 3. शोध निष्कर्षों की वैधता और विश्वसनीयता का मूल्यांकन करना। 4. गुणात्मक और मात्रात्मक शोध विधियों के बीच अंतर करना। 5. शोध में नैतिक विचारों की समझ, जिसमें सूचित सहमति और साहित्यिक चोरी शामिल है।

अधिगम उपलब्धियां (LO)
शोध पाठ्यक्रम के अंत में, विद्यार्थी निम्न रुपेण सक्षम होंगे :- 1. शोध पद्धति के बारे में समझना और शोध-समस्या को परिभाषित करने की तकनीक की व्याख्या करना। 2. शोध में साहित्य समीक्षा के कार्यों का प्रदर्शन करना। 3. साहित्यान्वेषण करना, उसकी समीक्षा करना, सैद्धांतिक और वैचारिक रूपरेखा विकसित करना और समीक्षा लिखना। 4. विभिन्न शोध डिजाइन और उनकी विशेषताओं को समझना। 5. नमूनाकरण डिजाइनों और डेटा संचयन के विभिन्न तरीकों का विवरण प्रदर्शित करना। 6. व्याख्या की कला और शोध रिपोर्ट लिखने की कला की व्याख्या करना। 7. साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशीलता और समझ का प्रदर्शन करना।

शोध पाठ्यक्रम-1 (RC-1) : शोध पद्धति

इकाई -I : शोध का परिचय

शोध की परिभाषा, शोध का अर्थ, शोध के दृष्टिकोण, शोध के प्रकार, शोध के चरण, शोध के उद्देश्य, शोध का महत्व, शोध के तरीके और पद्धति।

इकाई-II : शोध समस्याएँ

परिभाषा, विशेषताएँ, शोध समस्या के स्रोत, परिकल्पना: परिभाषा, अर्थ, स्रोत और प्रकार, एक अच्छी परिकल्पना की विशेषताएँ, साहित्य समीक्षा, साहित्य सर्वेक्षण, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष स्रोत।

इकाई-III : डेटा और शोध के उपकरण

डेटा संग्रह की आवश्यकता, डेटा के प्रकार (प्राथमिक और द्वितीयक डेटा), प्राथमिक डेटा (अवलोकन, साक्षात्कार, प्रश्नावली, अनुसूची), द्वितीयक डेटा (जीवनी, डायरी, पत्र, यादें), डेटा के स्रोत।

शोध के उपकरण (एक अच्छी प्रश्नावली का अर्थ और विशेषताएँ, प्रश्नावली की सीमाएँ, प्रश्नावली का महत्व), अनुसूची (अनुसूची का अर्थ और विशेषताएँ, अनुसूची के प्रकार, अनुसूची का निर्माण), साक्षात्कार (उद्देश्य, प्रकार, साक्षात्कार के लिए पूर्व तैयारी, साक्षात्कार के लाभ और सीमाएँ।)

इकाई-IV: शोध लेखन और शोध नैतिकता

शोध प्रस्ताव/सारांश, सारांश की मूल बातें, सारांश के घटक तत्व (परिचय, साहित्य समीक्षा, शोध समस्याएँ, उद्देश्य, सीमाएँ, शोध पद्धति, अस्थायी अध्यायीकरण कार्यशील ग्रंथ सूची, एक मॉडल सारांश लिखना)

शोध रिपोर्ट, एक अच्छी शोध रिपोर्ट के शोध के लिए आवश्यक तत्त्व, एक मॉडल शोध रिपोर्ट लिखना।

स्रोतों का दस्तावेज़ीकरण (संदर्भ, उद्धरण, ग्रंथ सूची, वेब सूची, संदर्भों और कोष्ठक संदर्भों में संसाधन का हवाला देने की मूल बातें)

इकाई -V: अनुसंधान की नैतिकता

नैतिकता संहिता, संदिग्ध सामग्री, साहित्यिक चोरी (परिभाषा, साहित्यिक चोरी के प्रकार और परिणाम, अनजाने में साहित्यिक चोरी, नकल, गोपनीयता, गुमनामी, बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR)

कोर्स कोड - शोध पाठ्यक्रम (RC-2)

शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) और शोध प्रबंध (थीसिस) लेखन

Credit (क्रेडिट)	Hours (कुल घंटे)	Mid Sem Exam	End Sem Exam	TOTAL
08	120	00	200	200

कोर्स विवरण

इस कोर्स का उद्देश्य छात्रों को शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) तैयार करने और उनके शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) के आधार पर शोध प्रबंध (थीसिस) लिखने के लिए निर्देश और मार्गदर्शन प्रदान करना है।

यह कोर्स, शोध पद्धति पाठ्यक्रम का एक अनुप्रयुक्त विस्तार है जो छात्रों को शोध करने और शोध प्रबंध (थीसिस) लिखने से संबंधित मौलिक अवधारणाओं पर सैद्धांतिक आधार प्रदान करता है।

1. छात्र अपने पर्यवेक्षक के परामर्श से अपनी रुचि के विषय का चयन करेंगे, जिसे हिन्दी के स्नातकोत्तर विभाग द्वारा सौंपा जाएगा।
2. शोध पर्यवेक्षक शोध प्रारुप सिनॉप्सिस) तैयार करने के मूल सिद्धांतों और यांत्रिकी की व्याख्या करेंगे।
3. छात्र अपने शोध पर्यवेक्षक के मार्गदर्शन में अपनी रुचि के विषय पर शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) तैयार करेंगे।
4. छात्र अपने शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) को विभागीय समिति / संकायों के समक्ष प्रस्तुत करेंगे और अपने शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) की सफल प्रस्तुति और अनुमोदन के बाद उसका पोषण और संरक्षण करेंगे। छात्र अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाएंगे और अपने निष्कर्षों के आधार पर अपना शोध प्रबंध लिखेंगे।
5. लेखन पूरा करने के बाद छात्र इसे अपने शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग में जमा करेंगे। हिन्दी और शोध प्रबंध (थीसिस) का मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक के द्वारा किया जाएगा जो छात्र की समझ और उसके शोध प्रबंध (थीसिस) की स्पष्टता का आकलन करने के लिए एक मौखिक परीक्षा भी आयोजित होगी।

मूल्यांकन और परीक्षा

छात्रों द्वारा तैयार किए गए शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) और शोध प्रबंध (थीसिस) का मूल्यांकन एक बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा, जो छात्रों की उनके शोध प्रबंध (थीसिस) की समझ का आकलन और सत्यापन करने के लिए मौखिक परीक्षा भी आयोजित होगी।

शोध पाठ्यक्रम	अंक (Marks)	क्रेडिट सं0 (Credit)
शोध प्रारुप (सिनॉप्सिस) और शोध प्रबंध (थीसिस) लेखन	150	6
मौखिकी परीक्षा (Viva-Voce)	50	2
TOTAL	200	8

Semester - 8

AMJ:1	**4 Credits**
लोक नाट्य परंपरा और हिन्दी	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- विद्यार्थी लोक के स्वरूप को जान सकेंगे।
- लोकनाट्य और लोक रंगमंच क्या है– यह जान सकेंगे।
- अभिनय की विशिष्टताओं को जान सकेंगे।
- हिन्दी भाषा और उसकी उपभाषाओं (बोलियों) का क्षेत्र विस्तार जान सकेंगे।
- इस पाठ द्वारा विद्यार्थी अपने ज्ञान और अनुभव से भावी हिन्दी रंगमच को समर्थ और सार्थक बनाने में सक्षम होंगे।
- यह पाठ अर्थोपार्जन की दृष्टि से भी उन्हें समर्थ बनायेगा।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- लोक की परिभाषा, लोक नाटक की अवधारणा, लोक रंगमंच।

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- लोक नाटकों के प्रकार।

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- धार्मिक लोक नाट्य –रामलीला, रासलीला।

इकाई –4 15 **Lec. Houns**

- सामाजिक लोक नाट्य – नौटंकी, खयाल, स्वांग, नाचा।
- अन्य भारतीय लोकनाट्य का सामान्य परिचय – यात्रा, भवई, यक्षगान, कुचिपुड़ी, अंकिया।

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **परंचरा शील नाट्य – जगदीश चंद्र माथुर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली।**
2. **लोक धर्मी नाट्य परंपरा – श्याम परमार**
3. **संगीत एक लोक नाट्य परंपरा – डॉ. राम नारायण अग्रवाल**
4. **संगीत के विविध आयाम – डॉ. वीरेन्द्र कुमार चंद्र**
5. **लोक नाट्य, परंपरा और प्रवृतियां – डॉ महेंद्र भाणावत**
6. **लोक परंपरा पहचान एवं प्रभाव – श्यामसुंदर दुबे**
7. **नाट्य काव्यलोचन के सिद्धांत – सिद्धनाथ कुमार**
8. **नाट्यशास्त्र और रंगमंच – दीनानाथ साहनी**
9. **हिन्दी नाटक उद्भव व विकास – दशरथ ओझा**
10. **संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह दिनकर**

Semester - 8

AMJ:2	**4 Credits**
भारतीय साहित्य	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- प्रत्येक साहित्य की अपनी विशेष्ताएँ होती हैं। इस दृष्टि से भारत की विभिन्न भाषाओं का अध्ययन कर सकेंगे।
- भारत बहुभाषा भाषी देश है किंतु भारत के विभिन्न संस्कृतियों में एक प्रकार की सूत्र बद्धता है। इस पत्र के अध्ययन से विद्यार्थी उससे परिचित हो सकेंगे।

इकाई –1 **15 Lec. Houns**

- भारतीय साहित्य की अवधारणा।
- भारतीय साहित्य में मानव मूल्य।
- भारतीय साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई –2 **15 Lec. Houns**

- रामायण एवं महाभारत का सामान्य परिचय
  (काल निर्धारण एवं वर्ण्य विषय)
- अपरीक्षितकारकम् (पंचतंत्र)

इकाई –3 **15 Lec. Houns**

- कहानी टोबा टेक सिंह–सादत हसन मंटो (उर्दू कहानी)
- काबुलीवाला – रवीन्द्रनाथ टैगोर (बांग्ला कहानी)
- रेवती–फकीर मोहन सेनापति (ओड़िया से अनुदित)
- उपन्यास – संस्कार : यू आर अनंतमूर्ति (कन्नड से अनुदित)

इकाई –4 **15 Lec. Houns**

- नाटक – घासीराम कोतवाल : विजय तेदुलकर (मराठी से अनुदित)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. आज का भारतीय साहित्य, अनुवाद : प्रभाकर माचवे
2. भारतीय साहित्य मूलचंद गौतम
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास, डॉ. नगेन्द्र
4. भारतीय साहित्य की अवधारण, राजेन्द्र मिश्र
5. भारतीय साहित्य की भूमिका, डॉ. रामविलास शर्मा
6. उर्दू साहित्य का इतिहास, हसराज रहबर
7. बांग्ला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन (अनुवाद) निर्मला जैन
8. बांग्ला और उसका साहित्य : श्री हंस कुमार तिवारी (सं.) क्षेमचन्द्र सुमन
9. संस्कृत साहित्य का इतिहास : आ. बलदेव उपाध्याय
10. पुराण–परिशीलन : पं. गिरिधर शर्मा चतुर्वेदी
11. संस्कृत रूपकों की कथाएँ : डॉ. राम प्रकाश पोद्दार
12. उर्दू भाषा और साहित्य : डॉ. फिराक गोरखपुरी
13. बंगला साहित्य का संक्षिप्त इतिहास : डॉ. सत्येन्द्र

Semester - 8

AMJ:3	**4 Credits**
हिन्दी की अन्य गद्य विधाएँ	

पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा–

- हिन्दी की गद्य विद्याएं एक बहुमुखी प्रक्रिया है जो विभिन्न लेखन शौलियों संरचनाओं और उद्देश्यों का ज्ञान प्रदान करती है।
- गद्य विधाओं की संरचना में भाषा और साहित्यिक तत्वों को समझने और उनका उपयोग करने की क्षमता शामिल है।
- साहित्यिक कार्यों का विश्लेषण करने और उनकी व्याख्या करने की क्षमता विकसित होती है।

इकाई –1 15 **Lec. Houns**

- आत्मकथा : स्वरूप और विशेषताएँ
  पाठ्यांश :–जूठन (ओमप्रकाश वाल्मीकि)

इकाई –2 15 **Lec. Houns**

- जीवनी : स्वरूप और विशेषताएँ
  पाठ्यांश :आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर)

इकाई –3 15 **Lec. Houns**

- रेखाचित्र एवं संस्मरण : स्वरूप एवं विशेषताएँ
  पाठ्यांश : भक्तिन (महादेवी वर्मा)
  माटी की मूरतें (रामवृक्ष बेनीपुरी)

इकाई –4 15 **Lec. Houns**

- यात्रावृत्तांत एवं रिपोर्ताज : स्वरूप एवं विशेषताएँ
  पाठ्यांश : ठेले पर हिमालय (धर्मवीर भारती)
  : तुफानो के बीच (रांगेय राघव)

समसत्र परीक्षा में अंको का वितरण

समसत्रांत परीक्षा :75 अंक

1. पांच वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1x5=5)
2. दो लघुउत्तरीय प्रश्न (5x2=10)

(दिये गये चार प्रश्नों में से दो प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

3. चार दीर्घउत्तरीय प्रश्न (15x4=60)

(दिये गये छः प्रश्नों में से चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं)

समसत्र आंतरिक परीक्षा : 25 अंक

लिखित परीक्षा

1.अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1x5=05)

2.विवरणात्मक प्रश्न (2x5=10)

(दिये गये चार प्रश्नो में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखना है)

- अधिन्यास (असाइनमेंट) – 05 अंक
- वर्ग में उपस्थिति–05 अंक

अनुशंसित पुस्तकें:

1. **हिन्दी का गद्य साहित्य : डॉ. रामचन्द्र तिवारी**
2. **साहित्यिक विधाएं : पुनर्विचार : डॉ. हरिमोहन**
3. **महादेवी वर्मा के रेखाचित्र : एक अध्ययन : प्रो. रागैर**
4. **हिन्दी का संस्मरण साहित्य : राजरानी शर्मा**
5. **लेखन कला : एक परिचय : डॉ. मधु धवन**
6. **हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी**
7. **हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह**